वन उत्पादकता संस्थान
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
(वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत निकाय)
लालगुटवा, एन एच. -23, गुमला रोड, रांची 835303 (झारखण्ड)
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY
(Indian Council of Forestry Research & Education)
(An Autonomous Body of the Ministry of Environment,Forest and Climate change,Govt.of India)
Lalgutwa,Gumla Road, NH-23, Ranchi-835303(Jharkhand)
E-mail:-dir_ifp@icfre.org, ifpranchi2018@gmail.com
Website:-http://ifp.icfre.gov.in

डा.नितिन कुलकर्णी
निदेशक
Dr.Nitin Kulkarni
Director

Phone: 0651- 2526140
2526021
2526023
08986608161
Fax- 2526150

File No.GEN-III-104/2018-19/Extension 1147

दिनांक: 26.04.2022

सेवा में,

सहायक महानिदेशक
मीडिया एवं विस्तार प्रभाग
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
पो.- न्यू फारेस्ट, देहरादून – 248006 (उत्तराखंड)
ई-मेल – adg_mx@icfre.org.

विषय : आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम प्रतिवेदन बावत/ Report of activity under AKAM – reg.

संदर्भ : भा.वा.अनु.शि.प. ई-मेल दिनांक 25.04.2022

महोदय/महोदया,

उपरोक्त संदर्भित विषय के आलोक में वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 22.04.2022 को आयोजित पृथ्वी दिवस कार्यक्रम का विस्तृत प्रतिवेदन सचित्र आपकी उचित कार्यवाही हेतु प्रेषित।

सधन्यवाद

भवदीय

संलग्न: उपरोक्त

(नितिन कुलकर्णी)
निदेशक

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत
विश्व पृथ्वी दिवस, 2022
पर्यावरण संरक्षण में समुदाय की भूमिका विषय पर व्याख्यान
दिनांक : 22.04.2022
वन उत्पादकता संस्थान, रांची

भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देशानुसार वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 22.04.2022 को **पृथ्वी दिवस** के अवसर पर "पर्यावरण संरक्षण में समुदाय की भूमिका" विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे संस्थान के वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी, कर्मचारी, शोध अध्येता सहित गुरु घासी दास विश्वविद्यालय के शोध प्रबंध प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों से खचा-खच भरे सभागार में कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर ने आज के कार्यक्रम का परिचय सहित पृथ्वी दिवस समारोह मनाए जाने के इतिहास से सभा को परिचित कराया।

डा. अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक ने इसके महत्व को बताते हुए कहा कि एक मात्र पृथ्वी ही ऐसा ग्रह है जो मानव जीवन के लिए अनुकूल है। इस अवसर पर वक्ताओं ने वायु प्रदुषण, कार्बन उत्सर्जन, पानी की उपलब्धता आदि अनेक पर्यावरणीय एवं मानव निर्मित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

श्री पी.सी.लकड़ा, भा.प्र.से. ने पर्यावरण में वन्य जीव के महत्व पर प्रकाश डाला एवं कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। श्री रवि शंकर प्रसाद ने वन-वर्धन कर पृथ्वी के पर्यावरण को संरक्षित करने की चर्चा की। गुरु घासी दास विश्वविद्यालय के सुश्री पुरबी जैन ने त्योहारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रकृति से इसके सम्बंध को बताया एवं अमृता देवी के प्रयासों की चर्चा की। विश्वविद्यालय के ही श्री अतुल साहनी ने कविताओं के द्वारा पृथ्वी पर पर्यावरण संरक्षण की बात कही। कन्हाई लाल डे ने

बारीकी से microves के महत्व, मृदा बनने की प्रक्रिया आदि को समझाया। सुश्री एरम एहसान, श्री मनोज साहु ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए।

डा. शरद तिवारी ने वेदो उपनिषदों की चर्चा करते हुए आज की समस्या को उससे जोड़ा एवं सतत विकास को पर्यावरण से जोड़ते हुए विकास योजनाओं को पर्यावरण अनुकूल तैयार करने की सलाह् दी। विकास से उत्पन्न दुष्परिणामों को कम करने की सलाह् देते हुए कई उपाय भी सुझाए।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में डा. योगेश्वर मिश्रा ने आज की थीम की चर्चा करते हुए समझाया कि आज अपने प्राकृतिक सम्पदाओं को कैसे संचित रखें। ग्लैसियर, कार्बन मुक्त वातावरण आदि की चर्चा करते हुए कार्बन उत्सर्जित करने वाले बिजली बल्वों को प्रति दिन एक घंटा बंद रखने का सलाह् दिया।

संस्थान द्वारा Climate change को प्रभावित करने वाले कारकों से संबंधित AICRP परियोजनाओं की भी चर्चा की। Green GDP, Forest Cover, कार्बन कम करने के तरीके आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा किया। Green Portal, CAMPA Project, मरुभूमि की ओर बढ़ता भौगोलिक क्षेत्र आदि को विस्तार से समझाया एवं आखिर में प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा करते हुए श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर ने विस्तार, सूचना तकनीकी प्रभाग की सराहना की एवं इसे एक सफल कार्यक्रम बताया।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां